संगीत नाटक अकादेमी

संगीत, नृत्य एवं नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था
नई दिल्ली

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

संगीत नाटक अकादेमी रत्न सदस्यता (अकादेमी रत्न)
तथा
वर्ष 2016 के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कारों की घोषणा

संगीत, नृत्य तथा नाटक की राष्ट्रीय अकादेमी अर्थात संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली के महापरिषद की बैठक 24 मई 2017 को गुवाहाटी (असम) में हुई थी। इस बैठक में सर्वसम्मति से प्रदर्शन कला क्षेत्र से जुड़े चार सुप्रतिष्ठित व्यक्तित्वों–श्री अरविंद पारिख, श्रीमती आर. वेदवल्ली, श्री रामगोपाल बजाज तथा श्री सुनील कोठारी को संगीत नाटक अकादेमी का रत्न सदस्य (अकादेमी रत्न) चुना गया।

अकादेमी की रत्न सदस्यता वस्तुतः सबसे प्रतिष्ठित तथा दुर्लभ सम्मान है, जिसकी संख्या एक समय में 40 से अधिक नहीं हो सकती। उपर्युक्त चार कला-विभूतियों के चयन पश्चात संगीत नाटक अकादेमी के रत्न सदस्यों की संख्या 40 हो गई है।

संगीत नाटक अकादेमी के महापरिषद की बैठक में संगीत, नृत्य, नाटक, परम्परागत/लोक/जनजातीय संगीत/नृत्य/नाटक, पुतुल तथा प्रदर्शन कला-क्षेत्र में समग्र योगदान/पांडित्य हेतु संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार 2016 हेतु कुल 43 कलाकारों का चयन किया गया। इन 43 कलाकारों में दो संयुक्त पुरस्कार वाले कलाकार भी शामिल हैं।

वर्ष 2016 के अकादेमी पुरस्कार हेतु संगीत के क्षेत्र से चयनित कुल 11 प्रतिष्ठित कलाकारों के नाम हैं– पद्म तलवालकर तथा प्रभाकर करेरकर (हिन्दुस्तानी गायन), अरविंद मुलगाँवकर (हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत--तबला), कला रामनाथ (हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत –वायलिन), नीला रामगोपाल तथा के. ओमानकुट्टी (कर्नाटकीय गायन), जे. वैद्यनाथन (कर्नाटक वाद्य संगीत –मृदंगम), मैसूर एम. मंजूनाथ (कर्नाटक वाद्य संगीत–वायलिन), निंगथोउजाम श्यामचंद सिंह (नट संकीर्तन, मणिपुर), संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएँ–सुगम संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए रत्नमाला प्रकाश तथा अहमद हुसैन एवं श्री मोहम्मद हुसैन–हुसैन बंधु (संयुक्त पुरस्कार) को वर्ष 2016 के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार के लिए चुना गया है।

वर्ष 2016 के अकादेमी पुरस्कार हेतु नृत्य के क्षेत्र से चयनित कुल 9 ख्यातिलब्ध कलाकारों के नाम हैं – गीता चन्द्रन (भरतनाट्यम), जीतेन्द्र महाराज (कथक), कलामंडलम रामचन्द्रन उन्नीथन (कथकलि), मैसनाम कामीनिकुमार सिंह (मणिपुरी), ए.बी. बाला कोंडला राव (कुचिपुड़ी), रतिकांत महापात्र (ओडिशी), हरिचरण भूइयाँ बोरबायन (सत्रिय नृत्य), गोपाल प्रसाद दुबे (छउ) तथा अनिता आर. रत्नम (समकालीन नृत्य)।

वर्ष 2016 के अकादेमी पुरस्कार हेतु नाटक के क्षेत्र से चयनित कुल 9 ख्यातिलब्ध कलाकारों के नाम हैं– कुसुम कुमार (नाट्य लेखन), सत्यब्रत राउत, बिपिन कुमार तथा राजकमल नायक (निर्देशन), गिरीसन वी., ओइनाम बीरमंगल सिंह तथा मोहन जोशी (अभिनय), अंजना पुरी (रंगमंच से सम्बद्ध कलाएँ –नाट्य संगीत), के. गोविंद भट (नाट्य की अन्य प्रमुख परम्पराएँ–यक्षगान)।

वर्ष 2016 के अकादेमी पुरस्कार हेतु परम्परागत/लोक/जनजातीय संगीत/नृत्य/नाटक तथा पुतुल के क्षेत्र से चयनित कुल 10 कलाकारों के नाम हैं –अन्नबत्तुला लक्ष्मी मंगतयारू तथा लीला साई (संयुक्त पुरस्कार) – परम्परागत नाट्य (कलावंतुलु, आंध्र प्रदेश), योगेश गढवी (लोक संगीत, गुजरात), विद्यानंद सराईक (लोक संगीत, हिमाचल प्रदेश), सोमनाथ डी. चारी (परम्परागत संगीत, गोवा), लक्ष्मीधर राउत (पाला, ओडिशा), चिरंजी लाल (मांड, राजस्थान), गुलज़ार अहमद गनी (चकरी संगीत, जम्मू एवं कश्मीर), ब्रज किशोर दुबे (लोक संगीत, बिहार), प्रभितांग्सू दास तथा दत्तात्रेय अरालिकत्ते (पुतुल)।

प्रदर्शन कलाओं के क्षेत्र में विद्वत्ता के लिए पप्पू वेणुगोपाल राव को, तथा समग्र योगदान के लिए श्री अविनाश पश्रीचा को वर्ष 2016 के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है।

कलाकारों को अकादेमी रत्न सम्मान वर्ष 1954 से, तथा अकादेमी पुरस्कार वर्ष 1952 से दिए जाते रहे हैं। ये सम्मान केवल उत्कृष्टता और उपलब्धियों के उच्चतम स्तर के प्रतीक नहीं हैं , बल्कि कलाकारों द्वारा निरंतर रूप से किए गए व्यक्तिगत कार्यों एवं उपलब्धियों को भी मान्यता प्रदान करता है। अकादेमी रत्न को नगद 3,00,000/- (तीन लाख रूपये) तथा अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित कलाकार को नगद 1,00,000/- (एक लाख रूपये) की राशि के अतिरिक्त एक ताम्रपत्र तथा अंगवस्त्रम भेंट किया जाता है।

संगीत नाटक अकादेमी द्वारा चयनित अकादेमी रत्न सदस्यों तथा पुरस्कृत कलाकारों को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

वर्ष 2016 के लिए चयनित अकादेमी रत्न सदस्यों तथा अकादेमी पुरस्कार हेतु चयनित कलाकारों की सूची इस पत्र के साथ संलग्न है।

ऋता स्वामी चौधरी

सचिव
संगीत नाटक अकादेमी